उप सचिवे।

चं०-503/xxviii(3)2005-140/2002

KNISS,

अर्दुन सिंह संसुक्त स्वीच्य कार्यचल शासना

संबद्ध सं

महानिवेशका, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्पाण, वतारोचल वेडराइन।

विकित्स अनुभाग-३

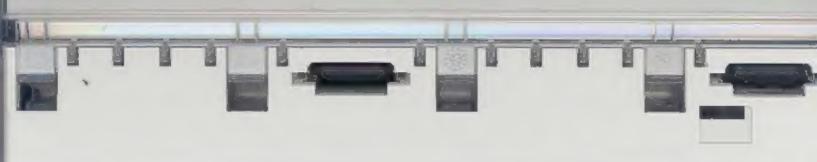
विषयः सानु() स्वाकतेन्द्र सहिया जनपद देहरादून के भावन निर्माण की पुनरीक्षित लागत की स्वीकृति।

महादय,

व्यवंद्रमत विश्वत अञ्चलं यह सं0-7प/लीव्यवसीव/74/2001/3348 दितांल 24.2. 2003 में सदर्भ में तथा सासनारंश सं0- 827/चि0-5-2003-140/2002 दिनांक 16.11.2002 सं0-1543/च0-3-2003-140/2002 दिनांक 6.1.2004 तथा संख्या- 671/ xxviii (3)- 2004 -140/2002 दिनांक 11.11.2004 के अन में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राम्यचल महोदय विलाग वर्ष 2004-2005 में सामुक स्थाव केन्द्र सहिया के भवन निर्माण कार्य वर्ष संस्थानकानुसार क्रम 1,65,00,000.00 (क्रम करोड़ पेसत लाख माह्र) की इत्रोक्षित लागत पर हिलाशांच तथा विलाग अनुमोदन हाथ करते हुए चालू विलाग वर्ष में कार्य सेतु क्रम पर्वात वर्ष हिलाशांच तथा विलाग अनुमोदन हाथ करते हुए चालू विलाग वर्ष में को क्रम से करते हुए चालू विलाग वर्ष में को क्रम से करते हुए चालू विलाग वर्ष में को क्रम से करते हुए चालू विलाग करते हुए चालू विलाग क्रम में को क्रम करते हुए साल्व विलाग करते हुए चालू विलाग क्रम में को क्रम करते हुए चालू विलाग करते हुए चालू विलाग क्रम में को क्रम करते हुए साल्व विलाग करते हुए चालू विलाग क्रम में को क्रम करते हुए साल्व विलाग करते हुए चालू विलाग क्रम में कार्य करते हुए साल्व विलाग करते हुए साल्व विलाग क्रम में कार्य करते हुए साल्व विलाग करते हुए साल्व विलाग क्रम में क्रम करते हुए साल्व विलाग करते हुए साल्व विलाग क्रम मान्न करते हुए साल्व विलाग करते हुए साल्व विलाग करते हुए साल्व विलाग क्रम मान्न करते हुए साल्व विलाग करते हुए साल्व विलाग क्रम मान्न करते हुए साल्व विलाग क्रम साल्व विलाग करते हुए साल्व करते ह

- 2- प्रत्येख कार्य पर धनराशि का व्यय सक्षम स्तर से तकनोकी स्वीकृति प्राप्त कर किया जायंगा तथा कार्य की अनुनीदित लागत तक हो रखा कार्गा।
- 3- उन्त धनप्रशि क्रांधागर से तत्काल आहरित की जायेगी तथा निर्माण इकाई द्वाप्रश्राजकीय निर्माण निगम उत्तरांचल को उपलब्ध करायी जायेगी। कार्य प्रारंभ करने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन अवस्य प्राप्त कर लिया वाये। स्वीकृत धनग्रिश का उपभौग प्रत्येक देशी में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा। अतिरिक्त धनग्रिश को प्रत्येशा में अनाधिकृत व्यय मही किया जायेगा।

4- स्वीकृत धनराशि को आहरण से संबंधित बाठकर संख्या व दिनांक की सचना उत्साल



८० एकत व्यय वृत्रं २००४-६६ को आय-व्ययक में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्पकों ४२१०-विकित्सा तथा शोक्ष स्वाक्ष्य पर पूंजीगत परिव्यय -आपीलनागत -00-02 प्रामील स्वाक्ष्य केन्द्र, ६३०१-सानुदायिक स्वाक्ष्य केन्द्रों का निर्माण (चाणू अंश) २४-धृष्ठत निर्माण कार्य के अन्तर्गत सुसंगत एकार्यों के नाने वाला कार्यगा।

9- एड आदेश विक्त विभाग के अशांठ संठ-1865/बिक्त अनुमाग-2/2004 दिनीस 30.3.05 में प्रान्ट सहमति के कारी किये या रहे हैं । संलग्यक: पंथीकत

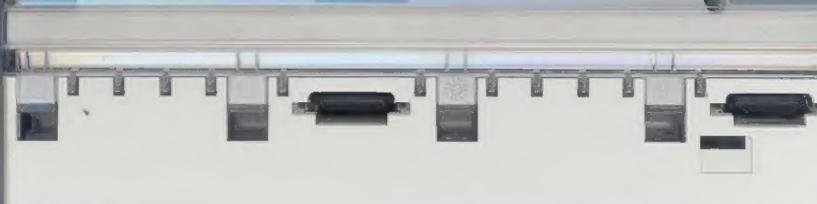
> भवदीय, (असुंद सिंहें) संयुक्त समिव

#0-503/xxvHi(3)2005-140/2002 सहिदसंहित

प्रतिकान निन्तिकार को सूचनार्थ एवं आयरपक कार्यवारों हेतु प्रेक्ति :-

- 1- नागरीखासार, उत्तारीबल, मानस देसदूत ।
- उ- निरंशक, कांगामार, दलचंत्रल ,रेडगडून।
- व्यक्ति कोमाबिकाचे, देहचनुतः
- 4- विसाधिकाचे, देहचदूत ।
- उ= मुख्य चिलाला, विकास देवपञ्चा
- सांखीलना प्रवन्धक च्याप्रवासकीय तिमीम निगम चलारीचल ।
- 7- বিজী মহিল দাও দুজা দুজানিল।
- ३- बिला अनुभाग-2/नियोजन विभाग/एन.आई.सी.।
- 9- বার্ড জার্মা ।

आहा से (अर्जुन सिंह ') संयुक्त सचिव।



प्राप्तनादरा सं0-503/xxviii(3)2005-140/2002 दिनांक 36-3-200€ का संस्थानक

			(प्रनदाशि लाख का में)
भगर्य भग गान	कार्यको लागत	अय तक अवनुकत वन्त्रीया	वर्ष 2004-05 में स्वीस्तृत धनराशि
2	3	4	5
कानुअस्वाधकेन्द्र सहिता. का भवद दिनोम	165,00	152,04	12.96
		द्र 3 चार्डणस्थाणकेन्द्र श्लीकृपा 165,00	ইয়ান্ত্র ক্রেন্ট্রন্তর ইন্তর্ভার ইন্তর্ভার ক্রেন্ট্রন্তর হল ক্রেন্ট্রন্ত

(का बारह लाख छिपानवे छपार नाह)

(अनुन सिंह) संदुक्त संचित्र।